Nai Duniya (Indore), 18th December 2025, Nai Dunia City, Page- I

आइआइटी इंदौर में केमिकल उद्योग से जुड़ी चुनौतियों व उभरते अवसरों पर हुई चर्चा

केमिकल इंजीनियरिंग का नया हब मालवा

नईदुनिया प्रतिनिधि, इंदौर: मालवा क्षेत्र को केमिकल इंजीनियरिंग के राष्ट्रीय मानचित्र पर मजबूती से स्थापित करने की दिशा में एक निर्णायक पहल के रूप में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर के केमिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा आयोजित मालवा केमिकल कान्क्लेव 2025 का समापन हुआ। 13 दिसंबर से शुरू हुए इस कान्क्लेव ने शिक्षाविदों, उद्योग और नीति-निर्माताओं को एक साझा मंच पर लाकर 'विकसित भारत' के लक्ष्य को जमीनी स्तर पर आगे बढ़ाने का स्पष्ट रोडमैप प्रस्तुत किया। यह कान्क्लेव भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के स्टूडेंट चैप्टर के सक्रिय सहयोग से आयोजित किया गया, जहां इंडस्ट्री की मौजूदा चुनौतियों, मानकीकरण, नवाचार और सस्टेनेबिलिटी जैसे अहम मुद्दों पर गंभीर मंथन हुआ।

आइआइटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास जोशी ने अपने संबोधन में कहा कि यह कान्क्लेव शैक्षणिक उत्कृष्टता को औद्योगिक और सामाजिक प्रभाव में बदलने की संस्थान की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उनके अनुसार, अकादमिक, इंडस्ट्री और पालिसी का यह त्रिकोण 'आत्मनिर्भर भारत' की दिशा में ठोस योगदान देगा। इस कान्क्लेव में जाने-माने इंडस्ट्री लीडर्स और पालिसी रिप्रेजेंटेटिव्स शामिल थे। इनमें मेघदीप अग्रवाल, कपिल जाट, जयदीप इस्पात, अर्पित जैन और ब्यूरो आफ इंडियन स्टैंडर्ड्स की डिप्टी डायरेक्टर शुभांजलि उमराव शामिल थीं। कान्क्लेव के माध्यम से यह भी स्पष्ट हुआ कि आईआईटी इंदौर का केमिकल इंजीनियरिंग विभाग भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए अपने शैक्षणिक विस्तार की ओर बढ़ रहा है।

कांक्लेव में शामिल प्रतिभागी, विशेषज्ञ और संस्था के पदाधिकारी। ● सौजन्य

इसलिए खास रहा कान्क्लेव

कान्क्लेव में मालवा क्षेत्र की औद्योगिक जरूरतों को समझकर उन्हें आधुनिक केमिकल इंजीनियरिंग समाधानों से जोड़ने और 'विकसित भारत' के लक्ष्य को आगे बढ़ाने के लिए मंथन हुआ।

आगे क्या होगा

अकादमिक- इंडस्ट्री के सहयोग से नए एमटेक, सर्टिफिकेशन और एग्जीक्यूटिव प्रोग्राम शुरू होंगे। इससे मालवा क्षेत्र को केमिकल इंजीनियरिंग इनोवेशन हब के रूप में पहचान मिलेगी।